पांच हजार बीघा में संतरा जीर्णोद्धार घोटाले की कब होगी जांच, या दब जाएगा मामला

उद्यानिकी विभाग ने संतरे के बगीचों के जीर्णोद्धार के नाम पर करोड़ों डकारे

शाजापुर, 10 जनवरी. उद्यानिकी विभाग ने संतरा जीर्णोद्धार योजना के नाम पर करोड़ो का फर्जीवाड़ा किया. इस मामले में प्रशासन ने जांच की बात तो की थी लेकिन आज 15 दिन के बाद भी इस फर्जीवाड़े घोटाले को लेकर ना तो जांच की गई और ना ही किसानों के नाम पर हुए फर्जीवाड़ा को लेकर कोई जवाब तलब किया गया. नवभारत की खबर के बाद उद्यानिकी विभाग ने उस कर्मचारी को जरूर रिलीव कर दिया, जिसे उद्यानिकी विभाग के कर्मचारी तबादले के बाद भी रिलीव नहीं करना चाहते थे. लेकिन इस मामले में जांच ना होना और किसानों के नाम पर फर्जीवाड़े के इस खेल का मामला शंकास्पद जरूर है.

गौरतलब है कि शाजापुर उद्यानिकी विभाग ने एक ऐसा घोटाला किया, जो अपने आप में फर्जीवाड़े की कहानी बयां कर रहा है. वर्ष 2024-25 में संतरा जीर्णोद्धार योजना के लिए सरकार ने लगभग 3 करोड़ की राशि शाजापुर विभाग को दी थी. किसान को एक हेक्टेयर पर 20 हजार की दवा एवं अन्य साधन प्रदाय करना थे, ताकि संतरा बगीचा का जीर्णोद्धार हो सके. ये राशि उन बगीचों को जारी करना थी, जो दस साल पुराने हैं, लेकिन उद्यानिकी विभाग ने तो उन किसानों के नाम से भी राशि जारी कर दी, जिनके पास संतरा का कोई बगीचा ही नहीं है. बिना बगीचे के ही किसानों के नाम पर राशि डकार गए. इस फर्जीवाड़े में जिला अधिकारी की मुख्य भूमिका है. और उद्यानिकी विभाग के जिला अधिकारी का रसूख कहें या ऊपर के अधिकारियों का आशीर्वाद कि वे इस मामले में सूचना अधिकार के तहत मांगी गई जानकारी भी नहीं देते हैं. यहां तक कि वे कलेक्टर, कमिश्नर के कहने पर भी जानकारी नहीं दे रहे हैं.

प्रभारी मंत्री के विभाग में ही पांच हजार बीघा का खेल

संतरा जीर्णोद्धार योजना के तहत शाजापुर जिले में दो हजार हेक्टेयर का लक्ष्य आया था, जिसमें 1100 हेक्टेयर याने लगभग 5 हजार बीघा में शाजापुर जिले में संतरे के बगीचे बताकर उनका जीर्णोद्धार कर दिया गया. इसमें भ्रष्टाचार की शुरुआत कुछ इस प्रकार हुई कि किसानों से ऑनलाईन आवेदन मंगाए गए और उन किसानों को 20 हजार प्रति हेक्टेयर के हिसाब से सामान दिया गया. लेकिन सवाल यह उठता है कि उन किसानों को भी इन्होंने सूची में डालकर सामान सप्लाय कर दिया, जिनके पास संतरे का कोई बगीचा नहीं है. बिना बगीचे के ही जीर्णोद्धार कर दिया उद्यानिकी विभाग के अधिकारी ने.

प्रभारी मंत्री के विभाग में भ्रष्टाचार की नींव...

शाजापुर जिले के प्रभारी मंत्री नारायण सिंह कुशवाह के पास उद्यानिकी विभाग है और शाजापुर में उद्यानिकी विभाग में 5 हजार बीघा कागजों में संतरा जीर्णोद्धार योजना बताकर करोड़ों रुपए ठिकाने लगा दिए. यदि प्रभारी मंत्री को अपने विभाग की जानकारी नहीं है, तो ये सबसे आश्चर्यजनक बात है. सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार उद्यानिकी विभाग में संतरा जीर्णोद्धार योजना के तहत हुए भ्रष्टाचार की चर्चा जिले एवं प्रदेश स्तर पर है, लेकिन इस मामले में सब मौन हैं. अब देखना है कि इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच हो पाती है या भ्रष्टाचार को दबाने के लिए भ्रष्टाचार से ही फाइल बंद होती है.

घोटाले की जांच होगी या दब जाएगा मामला

संतरा जीर्णोद्धार योजना के तहत शाजापुर जिले में पांच हजार बीघा में उद्यानिकी विभाग ने कागजों में फर्जी जीर्णोद्धार कर दिया, जबकि शाजापुर जिले में पांच हजार बीघा में संतरे के बागीचे नहीं है. दुपाडा क्षेत्र को छोड़कर शाजापुर जिले में कुछ जगह ही संतरे के बगीचे हैं, अब इस घोटाले की जांच होगी या फिर मामला दबा दिया जाएगा. क्योंकि एक तरफ सरकार किसानों की बात करती है दूसरी तरफ अधिकारी किसानों के नाम पर ही फर्जीवाड़ा कर रहे हैं, और इतने बड़े फर्जीवाड़े की यदि जांच नहीं की गई तो यह बात तय है कि इस घोटाले को दबाने के लिए जांच को नहीं किया जा रहा है. प्रभारी मंत्री के प्रभार वाले जिले में और प्रभारी मंत्री के विभाग में ही यदि किसानों के नाम पर फर्जीवाडा हो और इस घोटाले की जांच ना हो, यह सबसे बड़ा सवाल है.

एक नजर में

छात्राओं स्वेटर भेंट की

शुजालपुर, 10 जनवरी. शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जामनेर में कक्षा 9वी की छात्राओं को मुकेश सेन द्वारा उनके पिताजी की स्मृति में स्वेटर वितरित की गई. इस अवसर पर संस्था प्राचार्य प्रमोद खपरे, मानसिंह, ममता वर्मा, पूजा शर्मा सहित अन्य शिक्षक मौजूद रहे.

नेत्र एवं रक्त परीक्षण शिविर आयोजित हुआ

शुजालपुर, 10 जनवरी. जेएनएस शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में स्वामी विवेकानंद की जयंती के उपलक्ष में सेवा सप्ताह के पांचवें दिन भव्य नेत्र परीक्षण एवं रक्त परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया. शिविर का शुभारम्भ महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. राजेश शर्मा ने किया. इसमें स्वास्थ्य विभाग से नेत्र परिक्षण के लिए मनीष माहेशवरी, सुनील व्यास लैब टेक्नीशियन, काउंसलर जया माहेशवरी, उमंग काउंसलर अरुणा परमार, नर्सिंग ऑफिसर राजा मणि परमार, लेब सहायक दीपक वाद्य, स्टॉफसहायक सुनील पखमोर परिक्षण टीम महाविद्यालय मे उपस्थित रही. इस शिविर के दौरान 220 छात्र-छात्राओं का परीक्षण किया गया. इस कार्यक्रम मे रेड क्रॉस प्रभारी पूजा सांखला, सहप्रभारी संगीता सोनी, डॉ. सुधीर सवासिया, डॉ. रवि राठौर, डॉ. अर्चना गावंडे, डॉ. संजय प्रजापति, डॉ. मुकेश मेवाडा, संस्कृति विश्वकर्मा, इंदु व्यास, किशोर विश्वकर्मा, उमेश पांडेय, प्रियांशु नेमा, कमल भिलाला, विष्णु, सियाराम, जीतेन्द्र सेन एवं छात्र-छात्राओं में चेतना वैष्णव, रोहन बंजारा, पूजा कुशवाहा, मुस्कान मालवीय, अंश, शिवानी का सहयोग रहा.

पेंशनर्स संगठन ने किया परमार का सम्मान

शुजालपुर, 10 जनवरी. शारदा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय शुजालपुर से वर्ष 2001 में सेवानिवृत्त हुए 87 वर्षीय वरिष्ठ शिक्षक श्रीराम परमार का जिला स्तरीय पेंशनर्स संगठन द्वारा गरिमामय सम्मान किया गया. परमार शिक्षण सेवा के दौरान अपने उत्कृष्ट योगदान के लिए वर्ष 1987 में राज्य सरकार द्वारा राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान से सम्मानित किए जा चुके हैं. सेवानिवृत्ति के उपरांत भी वे निरंतर समाज सेवा में सक्रिय रहते हुए जनहित के विषयों पर मुखर भूमिका निभा रहे हैं. एक आत्मीय मुलाकात के दौरान परमार ने पेंशन कार्यालयों में व्याप्त भ्रष्टाचार पर गंभीर चिंता व्यक्त की. उन्होंने पेंशन संबंधी प्रक्रियाओं को दलाल मुक्त करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि पारदर्शिता और जवाबदेही से ही वरिष्ठ नागरिकों को उनका अधिकार समय पर मिल सकता है. उन्होंने पेंशनर्स से आह्वान किया कि वे एकजुट होकर संगठित प्रयास करें, ताकि पेंशन से जुडे मामलों में अनियमितताओं के विरुद्ध प्रभावी संघर्ष किया जा सके. इस अवसर पर जिला प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन शाजापुर एवं जिला पेंशनर संघ शाजापुर की ओर से जिला अध्यक्ष राजेन्द्र रिणवा ने श्रीराम परमार का शॉल ओढाकर कर सम्मान करते हुए कहा कि उनके शिक्षकीय जीवन, सामाजिक सरोकारों और निर्भीक विचारों की सराहना की जाना चाहिए. ऐसे अनुभवी मार्गदर्शकों के नेतृत्व से समाज को नई दिशा मिलती है. इस अवसर पर संगठन सचिव चंद्रकांत मोहाडकर ने पुष्पगुच्छ से स्वागत किया. वरिष्ठ समाजसेवी तथा खाटू श्याम सेना ट्रस्ट के जिला अध्यक्ष डॉ. सुशीलकुमार गेहलोत ने श्रीराम परमार के विचारों का समर्थन करते हुए पेंशनर्स हितों की रक्षा के लिए संगठित प्रयासों को तेज करने का संकल्प लिया. उन्होंने श्रीराम परमार की कार्यो की प्रसंशा करते हुए कहा कि उन्होने शारदा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, शुजालपुर में अपनी सेवाओं के दौरान अनुशासन, गुणवत्ता और मूल्यों को प्राथमिकता दी.

235 युवाओं का पंजीयन, 160 का प्रारंभिक चयन, 31 हितग्राहियों को स्वीकृति पत्र वितरित

सोयतकलां, 10 जनवरी. आगर-मालवा जिले के युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से तकनीकी शिक्षा, कौशल एवं रोजगार विभाग मध्यप्रदेश के निर्देशानुसार जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में जिला रोजगार कार्यालय, शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था सुसनेर एवं स्वामी विवेकानंद शासकीय महाविद्यालय सुसनेर के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को युवा संगम रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेला का आयोजन किया गया.

उत्कृष्ट विद्यालय चयन परीक्षा संबंधी बैठक संपन्न

शाजापुर, 10 जनवरी. शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय शाजापुर में मोहन बड़ोदिया एवं शाजापुर विकासखंड के समस्त शासकीय विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों तथा जनशिक्षकों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई. बैठक में शाजापुर विकासखण्ड से 87 विद्यालय व मोहन बड़ोदिया विकासखंड के 78 विद्यालय सहित कुल 165 प्रधान अध्यापकों द्वारा सहभागिता की गई. बैठक का मुख्य उद्देश्य उत्कृष्ट विद्यालय चयन परीक्षा में अधिक से अधिक विद्यार्थियों का नामांकन सुनिश्चित करना तथा प्रधानमंत्री के परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम के संबंध में विस्तृत जानकारी साझा करना रहा. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी राजेंद्रसिंह क्षिप्रे, विशेष अतिथि के रूप में पुष्पेंद्र सस्तिया, संतोष राठौर, ओमप्रकाश पाटीदार, योगेश भावसार थे.

हर नेता के पास अपने-अपने दीनदयाल

पोलिटिकल इनसाइड
मनोज पुरोहित

भाजपा की नींव पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने रखी थी. इसी का अनुसरण करते हुए हर नेता के पास अपने-अपने दीनदयाल हैं जो नेताओं के आका के रूप में जाने जाते हैं. जिस नेता के दीनदयाल पावर में है वह नेता राजनीति में फर्श से अर्श पर पहुंचता है और जिस नेता के दीनदयाल राजनीति में हाशिए पर हैं वह नेता अर्श से फर्श पर आ जाता है. भाजपा में हर नेता के पास दिल्ली, भोपाल में अपने दीनदयाल हैं. दीनदयाल की परिक्रमा से ही नेता का राजनीतिक भविष्य तय होता है. जिन नेताओं के दिल्ली भोपाल में दीनदयाल हैं उन नेताओं को जिले के कार्यकर्ताओं ने दीनदयाल मान रखा है. राजनीति में आका का होना भी राजनीति का मूलमंत्र है. भाजपा की राजनीति में किसी के दीनदयाल जिला स्तर पर हैं तो किसी के प्रदेश स्तर पर तो किसी के राष्ट्रीय स्तर पर, लेकिन यदि राजनीति करना है तो आपके पास एक मजबूत दीनदयाल का होना जरूरी है. कांग्रेस में आका कहा जाता है, जिसका आका मजबूत तो कांग्रेस की राजनीति में उनके काका मजबूत. शाजापुर जिले की राजनीति में हर नेता के पास अपना दीनदयाल है और उसी के बाद राजनीति की वैतरणी को पार किया जाता है. हालांकि खाली नेताओं को अपने दीनदयाल का भी ध्यान रखना पड़ता है, कब जन्मदिन है कब सालगिरह है, कब उनके दीनदयाल भोपाल आ रहे हैं, कब उनके दीनदयाल जिले से निकल रहे हैं. यही कारण है कि जिले के नेता अपने अपने दीनदयालों के स्वागत, सत्कार अभिनंदन, करने में पीछे नहीं रहते हैं. कई नेताओं के दीनदयाल ऐसे हैं जो अपने समर्थकों को बडे पद दिलवा देते हैं तो कई नेताओं के दीनदयाल की स्थिति कुछ राजनीति में दीन दुखी जैसी है.

बेरोजगारों का भी कोई पर्व होना चाहिए...

आजकल हर चीज व अवसर को लेकर पर्व मनाया जाता है. वेलेंटाईन डे है. मदर डे, फादर डे, शिक्षक दिवस, रोज डे है, मजदूर दिवस, प्रेस स्वतंत्रता दिवस, टीबी दिवस, साक्षरता दिवस, हिंदी दिवस, पर्यटन दिवस, मतदाता दिवस सहित अन्य दिवस मनाए जाते हैं. अब राजनीति में खेल का भी महत्व हो गया है, कांग्रेस में खेल प्रकोष्ठ है तो भाजपा खेल महोत्सव कराती है. अब बेरोजगारों के लिए भी कोई पर्व शुरू होना चाहिए ताकि बेरोजगार साल में एक दिन एक जाजम पर एकत्रित होकर अपने दुख बाट सके.

क्यों नहीं पटती अध्यक्ष और उपाध्यक्ष की...

शाजापुर नगर पालिका का इतिहास रहा है कि अध्यक्ष और उपाध्यक्ष में पटरी नहीं बैठती है. जब पुरूषोत्तम चंद्रवंशी अध्यक्ष थे तो प्रभुलाल जाटव व उनकी पटरी नहीं बैठी. जब लक्ष्मीकांत माहेश्वरी थे तो बाबू खां खरखरे से उनकी तल्खी थी. श्रीमति प्रेमलता सिकरवार के समय गफ्फार मंसूरी कभी नाराज तो कभी खुश रहते थे. प्रदीप चंद्रवंशी के समय श्रीमती रेखा मीणा से तनातनी चर्चा में रहती थी. श्रीमती शीतल क्षितिज भटट के समय मनोहर विश्वकर्मा से नरम गरम माहौल रहता था. वर्तमान में जैन के प्रति संतोष का प्रेम दिखाई नहीं देता है.

अंत में...

और किसी से इनको क्या लेना देना, ये अपने मतलब की खोज में रहते हैं, हमने देखा है हर एक हुकूमत में तलवे चाटने वाले मौज में रहते हैं...

खाद्यान्न में 1 रूपये की जगह 5 वसूले जाने पर सीएम हेल्पलाइन पर हुई शिकायत

सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत के बाद अधिकारी पहुंचे मौके पर

सोयतकलां, 10 जनवरी. नगर में गंगोलिया नाले के समीप संचालित शासकीय उचित मूल्य की दुकान पर उपभोक्ताओं से नमक के लिए निर्धारित 1 रूपये की बजाय 5 वसूले जाने की शिकायत पर खाद्य विभाग की टीम मौके पर पहुंची है. नगर के निवासी मनीष राठौर ने इस अनियमितता की शिकायत सीएम हेल्पलाइन पर की थी. शिकायत को संज्ञान में लेते हुए जिला खाद्य अधिकारी एमएल मालवीय के निर्देश पर सुरेश गुर्जर टीम सहित सोयतकलां पहुंची. उन्होंने शिकायतकर्ता एवं सेल्समैन से चर्चा की और शिकायत का समाधान करवाया.

शिकायतकर्ता मनीष राठौर ने बताया कि संचालित राशन दुकान पर पिछले कई महीनों से 5 प्रति किलो की दर से नमक की राशि वसूली जा रही है, जबकि सरकार ने केवल 1 रूपये प्रति किलो का प्रावधान किया है. शिकायतकर्ता मनीष राठौर ने बताया कि दुकान पर उपभोक्ताओं को मशीन से निकलने वाली पर्ची भी नहीं दी जाती, बल्कि हस्तलिखित पर्ची थमा दी जाती है. शिकायतकर्ता द्वारा बताया गया कि संबंधित अधिकारी शिकायत के आधार पर सोयत कला पहुंचे, यहां पर उनके द्वारा सेल्समेन से बात कर बताया गया कि अब आगे से मशीन द्वारा निकाली हुई पर्ची दी जाएगी और निर्धारित मूल्य में ही नमक दिया जाएगा. उसके बाद मेरे द्वारा सीएम हेल्पलाइन की शिकायत को बंद किया गया. जब संवाददाता द्वारा जिला खाद्य अधिकारी एमएल मालवीय से बात की गई तो उनके द्वारा बताया गया कि शिकायत प्राप्त हुई थी, जिसमें शिकायतकर्ता द्वारा बताया गया था की 1 रूपये की जगह 5 रूपये वसूले जा रहे हैं तो मेरे द्वारा कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी सुरेश गुर्जर को मौके पर भेजा गया था, जहां शिकायतकर्ता को संतुष्ट कर शिकायत को बंद करवाया गया और आगे की कार्रवाई जारी है.

शिकायत करने से कतराते है लोग...

खाद्यान्न को लेकर ऐसी अनियमित जगह-जगह देखने को मिल रही है. कई जगह लोग शिकायत करने से भी कतरा रहे हैं वहीं जो खाद्यान्न लेते समय जो मशीन से पर्ची निकलती है वह भी कई जगह पर नहीं दी जा रही है. हस्तलिखित पर्ची थमा दी जा रही है. ऐसी अनियमितता कहीं जगह देखी जा रही है. जिला कलेक्टर को मामले को संज्ञान में लेकर जिले में संचालित हो रही खाद्यान्न दुकानों की विधिवत जांच करवानी चाहिए और हो रही अनियमितता पर रोक लगनी चाहिए.

अशफाक खान बने कांग्रेस खेल प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष

शाजापुर, 10 जनवरी. ब्लॉक कांग्रेस महामंत्री रहे अशफाक खान को कांग्रेस ने खेल प्रकोष्ठ का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया है. कांग्रेस में पहली बार खेल प्रकोष्ठ में नियुक्तियां की गई है. वरिष्ठ कांग्रेस नेता रामवीरसिंह सिकरवार की अनुशंसा पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष नरेश्वरप्रतापसिंह की सहमति से प्रदेश खेल प्रकोष्ठ के प्रभारी महेंद्रसिंह चौहान ने शाजापुर के अशफाक खान को कांग्रेस खेल प्रकोष्ठ का जिलाध्यक्ष मनोनीत किया है. कांग्रेस में अभी तक खेल प्रकोष्ठ नहीं था लेकिन पहली बार खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए कांग्रेस ने खेल प्रकोष्ठ का प्रदेश स्तर पर गठन किया है. प्रदेश के सभी जिलों में खेल प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष बनाए गए. अशफाक खान की नियुक्ति पर वरिष्ठ कांग्रेसीजनों और ईष्टमित्रों ने बधाई देते हुए हर्ष व्यक्त किया है.

किसानों को उन्नत कृषि पर दिया प्रशिक्षण

शाजापुर, 10 जनवरी. कृषि विज्ञान केंद्र गांव निपानिया धाकड़ में उन्नत कृषि तकनीक पर प्रशिक्षण आयोजित किया गया, जिसमें केंद्र प्रमुख डॉ. जीआर अंबावतिया एवं वैज्ञानिक डॉ एसएस धाकड़, गांव के सरपंच संदीप धाकड़ के साथ ही अनेक किसान उपस्थित रहे.

कार्यक्रम में केन्द्र प्रमुख डॉ. जीआर अंबावतिया द्वारा खेती को लाभ का धंधा बनाने हेतु फसल विविधीकारण की उन्नत कृषि तकनीक, औषधि फसलों की खेती, रबी फसलों हेतु समुचित पौध संरक्षण के उपाय की उन्नत जानकारी दी. साथ ही रबी फसलों में एकीकृत कीट प्रबंधन के साथ रबी प्याज उत्पादन तकनीक की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई. उनके द्वारा प्राकृतिक खेती के महत्व एवं उपयोगिता, रबी फसलों को पाले से बचने के पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई. इस दौरान वैज्ञानिक डॉ. धाकड द्वारा, संरक्षित खेती, माइक्रो इरीगेशन जैसे स्प्रिंकलर एवं ड्रिप एवं रबी फसलों उत्पादन बढ़ाने हेतु उन्नत किस्मों चयन के साथ संमन्वित पोषण प्रबंधन, मृदा संरक्षण एवं सिंचाई जल प्रबंधन, फसल अवशेष प्रबंधन हेतु उन्नत कृषि यंत्र की जानकारी दी. इस दौरान किसानों की समस्याओं की मौके पर समाधान किया गया.

एक नजर में — नल-जल योजना के ठेकेदार की मनमानी और पंचायत की लापरवाही से ग्रामीण परेशान

दो महीने से बूंद-बूंद पानी को तरस रहा मोहन बड़ोदिया

मोहन बड़ोदिया, 10 जनवरी. नगर में नल-जल योजना ग्रामीणों के लिए राहत नहीं बल्कि अभिशाप बनती जा रही है. ठेकेदार की मनमानी, जल निगम की उदासीनता और ग्राम पंचायत की घोर लापरवाही के कारण ग्रामीण पिछले दो महीनों से पीने के पानी के लिए भटकने को मजबूर हैं.

नल जल योजना के तहत चल रहे कार्य ने पूरे गांव को गड्ढों में तब्दील कर दिया है. सड़कों की खुदाई के बाद न तो मरम्मत की गई और न ही वैकल्पिक रास्तों की व्यवस्था. इससे राहगीरों, बुजुर्गों और स्कूली बच्चों को रोजाना भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. ग्रामीणों ने स्थानीय प्रशासन और जिम्मेदार अधिकारियों को कई बार समस्या से अवगत कराया. लेकिन आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई. हालात यह हैं कि महिलाएं और बच्चे दूर-दराज क्षेत्रों से पानी लाने को मजबूर हैं.

पंचायत ने खड़े किए हाथ, जनता भगवान भरोसे

ग्रामीणों का आरोप है कि ग्राम पंचायत ने इस गंभीर समस्या पर पूरी तरह चुप्पी साध ली है. पंचायत के पास करोड़ों रुपये का फंड होने के बावजूद न तो टैंकर से पानी की व्यवस्था की जा रही है और न ही ठेकेदार पर कोई दबाव बनाया जा रहा है. सरपंच सहित जनप्रतिनिधि जिम्मेदारी से बचते नजर आ रहे हैं.

खोखला साबित हुआ आश्वासन...

ग्रामीणों ने बताया कि जल निगम के अधिकारियों द्वारा क्षेत्रीय विधायक अरुण भीमावद 7 माह पहले अस्पताल में रोकस की बैठक लेने आए थे, तब जल निगम के अधिकारियों ने विधायक से नलजल योजना दो माह में चालू करने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन आश्वासन के पूरे सात माह बीत जाने के बाद भी योजना शुरू नहीं हो सकी. न तो नई नलजल योजना से पानी मिला और न ही पुरानी पाइपलाइन को दुरुस्त किया गया. इससे साफ है कि जल निगम के अधिकारियों के आश्वासन केवल कागजों तक ही सीमित रह गए हैं.

पुरानी पाइपलाइन तोड़ी, नई से भी नहीं आया पानी

ठेकेदार द्वारा कार्य के दौरान गांव की पुरानी नलजल पाइपलाइन जगह-जगह से तोड़ दी गई, जिसके कारण गांव में पिछले दो महीनों से नलों में एक बूंद पानी नहीं आ रहा. हैरानी की बात यह है कि न तो पुरानी लाइन को अस्थायी रूप से दुरुस्त किया गया और न ही नई योजना से जलापूर्ति शुरू हो सकी.

इनका कहना है

करीब दो महीने से नल नहीं आ रहे हैं. पीने का पानी दूर से लाना पड़ रहा है. प्रशासन को कोई फर्क नहीं पड़ता.

- घनश्याम वर्मा, स्थानीय निवासी

2018 से नल जल योजना चल रही है, लेकिन आज तक पूरी नहीं हुई. ठेकेदार कछुआ चाल से काम कर रहा है, और उसकी गलती का खामियाजा गांव भुगत रहा हैं.

-गिरिराज सोनी, स्थानीय निवासी

नल जल योजना का काम चल रहा है. टीम काम कर रही है. एक माह का समय और लगेगा.

-सचिन दांगी, प्रबंधक जल निगम

हमने ठेकेदार सहित अधिकारियों को अवगत करवाया था कि पुरानी लाइन डेमेज न करें और टुकड़ों में कार्य करें लेकिन किसी ने नहीं सुनी.

-रामेश्वर पाटीदार, सरपंच प्रतिनिधि

सहज में दिखा सरहद का जोश, बेटियों ने दिखाया साहस

शाजापुर, 10 जनवरी. कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह का जोश शनिवार को दुपाड़ा रोड स्थित सहज पब्लिक स्कूल में देखने को मिला, जहां बेटियों ने इन कमांडरों की बहादुरी को अपनी कला में पिरोकर एक बार फिर उसी सफलता को दोहराया. हाथों में तिरंगा और दिल में देशभक्ति का जोश लेकर जब बेटियां मंच पर पहुंची तो पूरा परिसर तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा. दरअसल, सहज पब्लिक स्कूल में शनिवार को वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया. जहां मंच पर बच्चों ने देशभक्ति और ईश्वरीय आस्था को मंच पर प्रस्तुत किया. वार्षिकोत्सव के लिए कई दिनों से की जा रही तैयारियों को जब बच्चों ने मंच से प्रस्तुत किया तो हर कोई इनकी कला का कायल हो गया और इनकी मेहनत को देखकर सभी ने तालियां बजाकर इन कलाकारों का उत्साहवर्द्धन किया. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक घनश्याम मालवीय ने कहा कि आज बच्चों ने अपनी कला का ही नहीं बल्कि अपने शिक्षक-शिक्षिकाओं की मेहनत से भी परीचित कराया है. इस आयोजन में जितनी मेहनत बच्चों की है उससे कहीं ज्यादा सहयोग शिक्षक-शिक्षिकाओं का है, जो वर्ष भर इन्हें ढालने के लिए तो लगे ही रहते हैं. ऐसे विशेष आयोजनों में भी इनकी भूमिका अहम होती है.